आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई
2022

एसएचजी/नाम	:	लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	द्रुमन बन्योरका
एफटीयू/रेंज	:	सरकाघाट
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

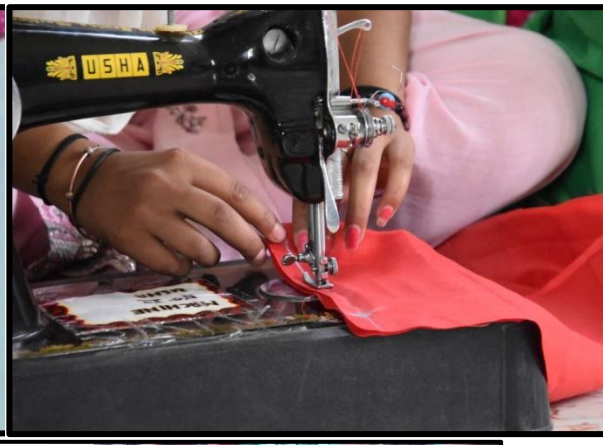

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू सरकाघाट और लक्ष्मी एसएचजी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	7-8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12-13
उत्पादन की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और पर्यटन यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदियाँ मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और यह अधिक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

द्रुमन बन्योरका वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " लक्ष्मी " स्वयं सहायता समुह, कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल सुकेत, श्री प्रेम चन्द वन रक्षक, देओ ब्रारता बीट और मदन कुमार, वनखंड अधिकारी, वन खंड सरकाघाट शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में विशेष योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

द्रुमन बन्योरका वन ग्रामीण विकास समिति:-

द्रुमन बन्योरका वन ग्रामीण विकास समिति, द्रुमन बन्योरका राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत जन्झेल में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के गोपालपुर ब्लॉक में स्थित है और 31°45'08"N अक्षांश- 76°44'27"E देशांतर के बीच स्थित है। द्रुमन बन्योरका वन ग्रामीण विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के सरकाघाट वन परिक्षेत्र के तहत सरकाघाट वन खण्ड के देओ ब्रारता बीट के अंतर्गत आता है ।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

वन ग्रामीण विकास समिति धान की फसल के लिए प्रसिद्ध है ।

परिवारों की संख्या	83
बीपीएल परिवार	8 =9.42%
कुल जनसंख्या	276
कुल मवेशी	51

स्वयं सहायता समुह का विवरण

लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह का गठन मार्च 2021 में द्रुमन बन्योरका वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार में सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं। लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह महिला समूह (ग्यारह महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 11 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह प्रति सदस्य है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमती निर्मला देवी प० सुरेश कुमार	सदस्य	SC	38	8th	75597-99334
2.	श्रीमती कमलेश कुमारी प० अजय कुमार	सचिव	स्वर्ण	29	10+2	7018163797
3.	श्रीमती रीना कुमारी प० राकेश कुमार	सदस्य	स्वर्ण	39	BA	8219521059
4.	श्रीमती रतनी देवी प० राजू राम	प्रधान	SC	43	5th	9816265032
5.	श्रीमती शीला ठाकुर प० दिनेश कुमार	सदस्य	स्वर्ण	39	10+2	623[illegible]28428
6.	श्रीमती पूनम कुमारी प० सुनील कुमार	सदस्य	स्वर्ण	30	BA	8219330299
7.	श्रीमती रश्मी [illegible] चमन लाल	सदस्य	स्वर्ण	26	10+2	9418925622
8.	श्रीमती पवनी देवी प० विशन कौशल	सदस्य	SC	32	matric	985763[illegible]8
9.	श्रीमती सरिता देवी प० राजीव कुमार	कोषाध्यक्ष	SC	41	BA	8894465769
10.	श्रीमती अंजली प० सुरिन्द्र पाल	सदस्य	SC	27	10+2	8629057098
11.	श्रीमती शीला देवी प० वीर सिंह	सदस्य	स्वर्ण	45	matric	8627033861
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह द्रुमन बन्योरका

एसएचजी का नाम	::	लक्ष्मी
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	द्रुमन बन्योरका
परिक्षेत्र	::	सरकाघाट
वन मण्डल	::	सुकेत
गांव	::	द्रुमन बन्योरका
खंड	::	गोपालपुर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	11
गठन की तिथि	::	March 2021
बैंक का नाम और विवरण	::	Canera Bank Sarkaghat IFSC Code: CNRB0005069
बैंक खाता संख्या	::	110005715269
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.1100/-माह
कुल बचत	::	10000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

3.2. गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	74 किमी
मेन रोड से दूर	: :	14 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	सरकाघाट 14 किमी, सुंदर नगर 70 किमी, मंडी 74 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	सरकाघाट 14 किमी, सुंदर नगर 70 किमी मंडी 74 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सरकाघाट, सुंदरनगर, मंडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई की गतिविधि से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – कलस खरोट
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	3	8000	24000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
एम्ब्रोइडरी	1	15000	15000
मोटर रन मशीन	1	15000	15000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tap	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**82800**

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	**8500**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8500)	29,000
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	82800	41,400	41,400
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**140600**	**91400**	**49200**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 50% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	□ पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

द्वारा

स्वेटर एवं जुराब बुनाई

कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं । इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है । जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाईं मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

खर्चों की जानकारी : –

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
कुल पूंजीगत लागत =			**79750**

आवर्ती लागत				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मुरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				**65200**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	65200
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	**65900**

उत्पादन की लागत (प्रति माह)

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वैटर = 8 न0

(यदि प्रतिदिन 3–4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वैटर = 130 न0

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न0 जोड़ी

(यदि प्रतिदिन 3–4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न0 जोड़ी

130 न0 स्वैटर के लिए ऊन की आवभयकता = 78 कि0ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 /–रूपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवश्यकता = 24 कि0 ग्रा0

जुराब के धागे का बाज़ार मूल्य = 9600/– रूपये

आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वैटर) = 130 न0

एक स्वैटर का औसत बाज़ार मूल्य = 800/– रू0

समूह की औसत आय = 104000रू0

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न0 जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाज़ार मूल्य = 150/– रू0

समूह की औसत आय = 36000रू0

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय –औसत लागत

= (104000+36000) – (54600+9600)

= 75800**रुपये**

लाभ प्रति माह प्रति व्यक्ति = 6890/– रुपये

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 82800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =90600/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 144950/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 235550/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	82800	7800	41400	49200	90600
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200	39875	105075	144950
	कुल	**162550**	**73000**	**81275**	**154275**	**235550**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी ...पी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए ...ईजीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई) द्वारा ...ना गया।

...स्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र.सं	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती निर्मला देवी w/o सुरेन्द्र कुमार	सदस्य	SC	38.	निर्मला देवी
2.	श्रीमती कमलेश कुमारी w/o अजय कुमार	सचिव	स्वर्ण	29.	Kamlesh Kumari
3.	Reena Kumari w/o राकेश कुमार	सदस्य	स्वर्ण	39	Reena
4.	श्रीमती रत्नी देवी w/o राजू राम	प्रधान	SC	43.	रत्नी देवी
5.	Vanita Thakur w/o विनेश कुमार	सदस्य	स्वर्ण	39.	Vanita Thakur
6.	श्रीमती पूनम कुमारी w/o सुनील कुमार	सदस्य	स्वर्ण	30	Poonam Kumari
7.	श्रीमती तस्वी नरोजम w/o चमनलाल	सदस्य	स्वर्ण	28	[illegible]
8.	Pawani Devi w/o विनेन्द्र कुमार	सदस्य	SC	32.	Pawani Devi
9.	Sarita Devi w/o रणजीत कुमार	कोषाध्यक्ष	SC	41	Sarita Devi
10.	श्रीमती अंजली w/o सुरेन्द्र पाल	सदस्य	SC	27	Anjali Devi
11.	Sheela Devi w/o वीर सिंह	सदस्य	स्वर्ण	45.	Sheela
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					

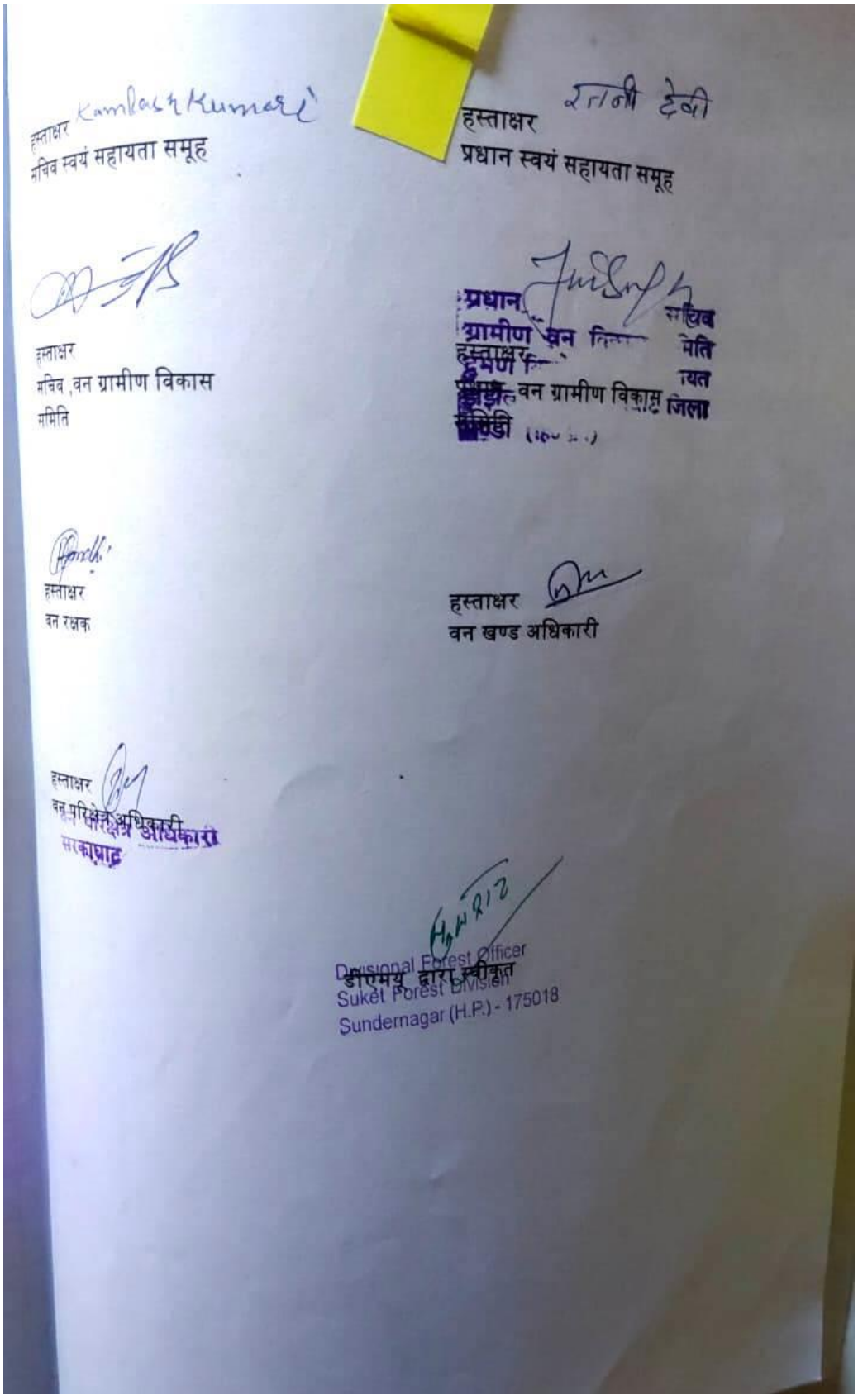

हस्ताक्षर Kamlesh Kumari
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर रानी देवी
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

प्रधान ग्रामीण वन ... समिति
हस्ताक्षर
प्रधान वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
वन परिक्षेत्र अधिकारी
सरकाघाट

डीएमयू द्वारा स्वीकृत

Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sundernagar (H.P.) - 175018